खुशी खुशी

कक्षा 3 भाग 2

अपने साथियों के चेहरे बनाओ और उनके नाम भी लिखो।

चेहरे बनाओ

लंबे बाल जिसके हैं

टमाटर जैसा

ज्यादा मिर्च खाता है

लम्बे वाला

कद्दू जैसा

मिठाई अच्छी नहीं लगती

खुशी-खुशी, कक्षा 3 भाग 2

यह पुस्तक एकलव्य के प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के तहत तैयार की गई है।
सामग्री तैयार करने में कई स्रोतों से मदद ली गई है।

प्रकाशक: एकलव्य
ई-10, शंकर नगर,
बीडीए कॉलोनी,
शिवाजी नगर, भोपाल - 462 016 म.प्र.
फोन नं. (0755) 2550976, 2671017
सम्पादकीय: books@eklavya.in
किताबें मँगवाने के लिए: pitara@eklavya.in

तीसरा संस्करण: फरवरी 2004
पुनर्मुद्रण: फरवरी 2006/1000 प्रतियाँ
दूसरा पुनर्मुद्रण: अक्टूबर 2007/2000 प्रतियाँ
तीसरा पुनर्मुद्रण: दिसम्बर 2008/3000 प्रतियाँ
70 gsm मेपलिथो एवं 150 gsm पल्प बोर्ड (कवर) पर प्रकाि

मूल्य: 52.00 रुपए
ISBN: 978-81-87171-70-6

भोपाल फोन: 268 7589

रूप्पा - टुप्पा

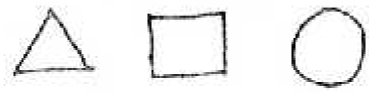

अलग-अलग तरह के रूप्पे-टुप्पे खपरैल से, टूटे मटके, पत्थर आदि से बनाओ। जैसे यहां कुछ दिए है।

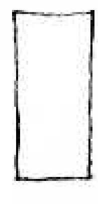

इन रूप्पों-टुप्पों को जमाकर अलग-अलग तरह की चीजें बनाओ। जैसे नीचे दी गई हैं।

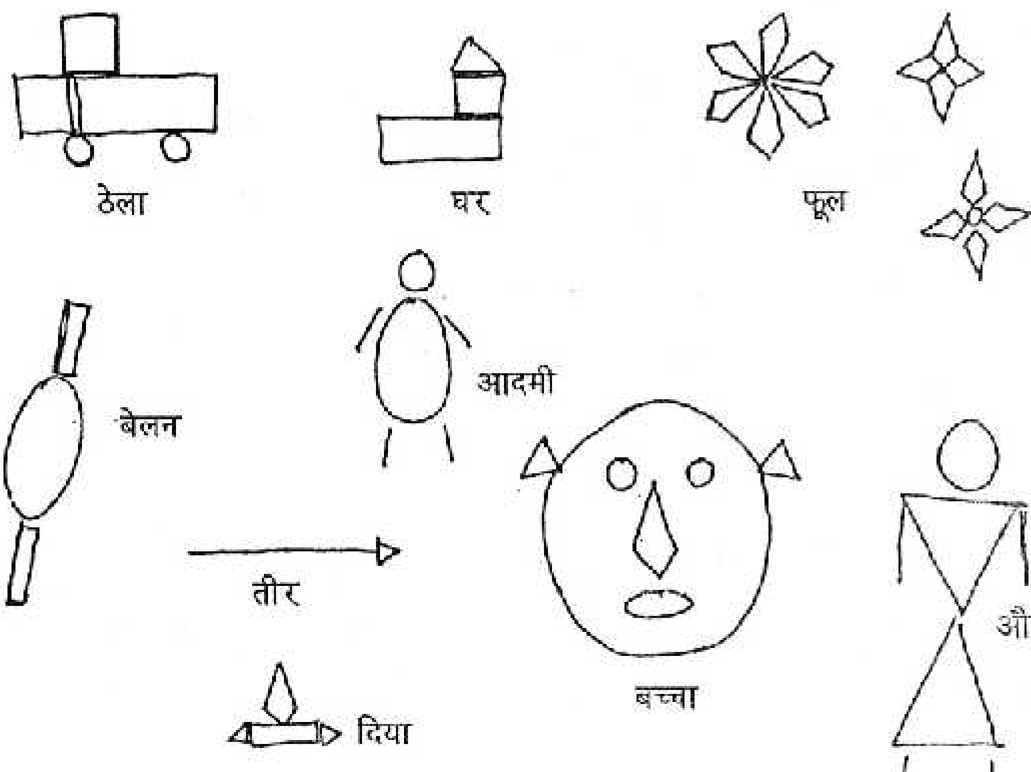

इन्हें अपनी पट्टी पर उतारो।
कागज या पत्ती से भी ऐसी आकृतियां बना सकते है। बनाकर देखो।

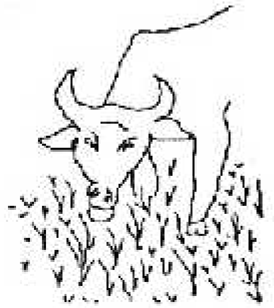

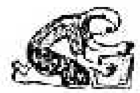

कहीं पे खा ली एक गाय ने चिरखी-चिरखी घास,
मत पूछो ये मुझसे कैसी लगी थी उसको प्यास।

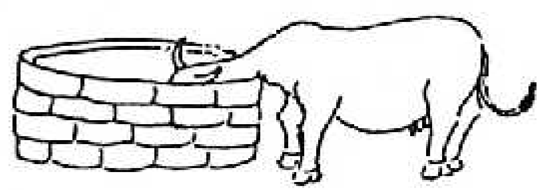

दो घूंट में पीया उसने, कुंआ भर के पानी,
लेकिन देखो बात अजीब, प्यास अभी न मानी।

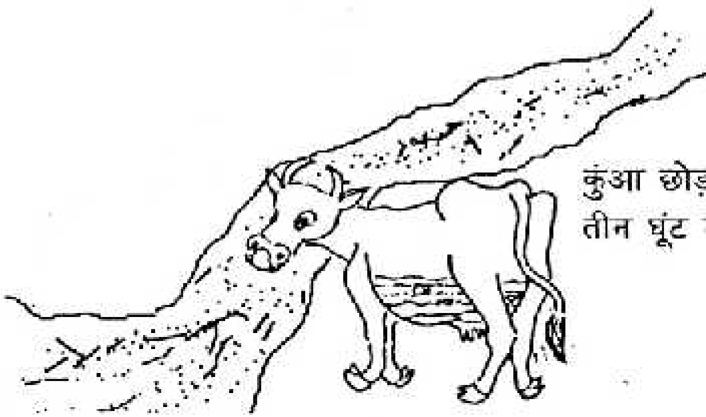

कुंआ छोड़ के भागी गाय, नदी में जो मुंह डाला,
तीन घूंट में, देखो उसने, तट खाली कर डाला।

नदी छोड़ के निकली थी वो दूर समुन्दर पार,
एक घूंट तो ले चुकी है, अभी बचे हैं चार।

1. इस कविता का क्या नाम होना चाहिये -

चिरखी-चिरखी घास **प्यास** **दूर समुन्दर पार**

2. एक बार एक गाय ने बहुत ही ----- घास खा ली। इस पर उसको ज़ोर की --- लगी। वो ----- ही घूंट में कुआं भर के ------ पी -----। तब भी प्यास ----- बुझी। इसके बाद वो एक पूरी ----- भर के पानी ------ गई। यहां भी ------ नहीं बुझी। तो वो भाग कर गई समुद्र की ओर। और वो अभी भी वहीं है

3. देख कर पता करो :

कुत्ता किस तरह पानी पीता है? तब कैसी आवाज आती है तब कुत्ते का मुंह कैसे चलता है?

बिल्ली,गाय और घोड़ा कैसे पानी पीते हैं? हाथी कैसे पानी पीता है?

4.एक ही ढंग से पानी पीने वाले पशु/पक्षी को छांटकर नीचे की तालिका में भरो।

बिल्ली, गाय, हाथी, शेर, भैंस, कुत्ता, कौआ, घोड़ा, चिड़िया, मुरगी, बकरी, तोता।

1	2	3	4

5.इनमें से कौन-कौन सी चीज़ें हम पीते हैं? छांट कर नीचे बने डिब्बे में लिखो।

चाय, केला, रोटी, दूध, पानी, सब्ज़ी, गन्ने का रस, दाल

पीने वाली कुछ और चीज़ों के नाम भी जोड़ कर डिब्बे में लिखो।

6. इतना पानी पीने वाली गाय मैंने एक बार सपने में देखी थी। तुमने भी क्या ऐसी कोई अजीब चीज़ सपने में देखी है? सपने की कहानी दोस्तों को सुनाओ।

दिनांक

बाज़ार

बाज़ार में एक फल-सब्ज़ी वाली बैठी है, और एक कपड़े वाला है। गर्मी में ये क्या-क्या बेचेगें?
चित्र बनाओ।

कपड़ेवाला

फल-सब्ज़ीवाली

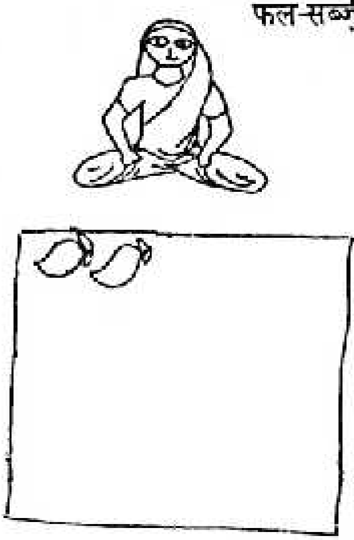

सर्दी के मौसम में ये क्या-क्या बेचेंगे? चित्र बनाओ।

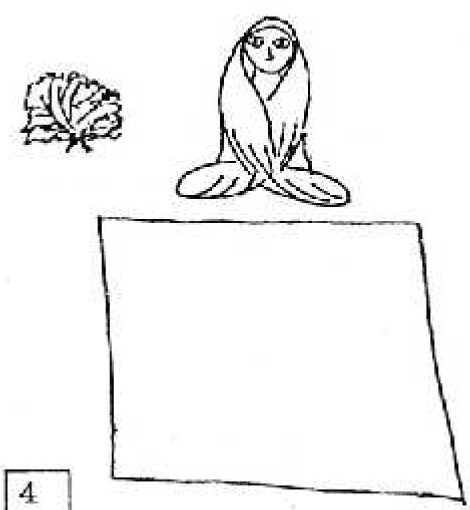

एक फल के बारे में बताओ जो गर्मी के मौसम में आता है।
कैसा दिखता है, क्या शक्ल है?
चित्र बनाओ। क्या रंग होता है?
उसका क्या-क्या बनता है?
किस दाम बिकता है?
किन महीनों में मिलता है?
ऐसा सभी फलों के बारे में पता करो
और कॉपी में लिखो।

एक और फल के बारे में बताओ जो सर्दी के मौसम में आता है।
कैसा दिखता है, क्या शक्ल होती है?
चित्र बनाकर दिखाओ।
उसका क्या-क्या बनता है?
किस दाम बिकता है?
किन महीनों में मिलता है?
ऐसा सभी फलों के बारे में पता करो
और कॉपी में लिखो।

बाज़ार जाकर फलों के बारे में पता करो।

सर्दी में सब्जीवाली क्या-क्या बेचेगी ?	सर्दी में कपड़ेवाला क्या-क्याबेचेगा?

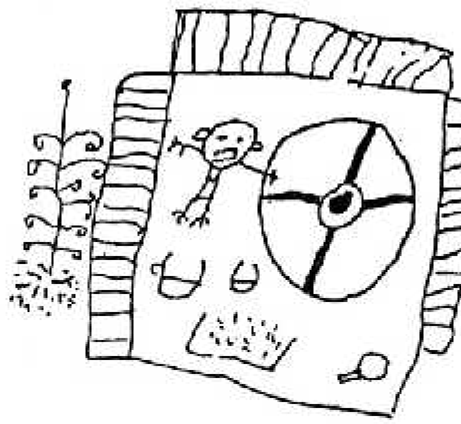

शाहपुर के मटके

शाहपुर के मटके दूर-दूर तक बिकने जाते हैं।
वहां पर कई घर के लोग केवल मटके बनाने का ही काम करते है। कहते हैं वहां की मिट्टी मटका बनाने के लिए बहुत अच्छी है।
आम तौर पर पांच लोगों का परिवार एक दिन में 20 मटके बना लेता है।

सिम्मू कुम्हार के घर में पांच लोग हैं।
वे छह दिन में कितने मटके बना लेंगे?

गुरूवार	20
शुक्रवार	20
शनिवार	20
______	20
______	20
______	20

फिर बुधवार को वो सारे मटके बाजार में बेचते हैं। हर बार वो कितने मटके बेचते हैं?

20 X 6 =

20+ 20 + 20 + 20 + 20 +20 =

तुम ऐसे और सवाल बनाकर हल करो।

छोटेलाल के यहां भी मटके बनते हैं। इनके परिवार में भी 5 लोग हैं।
पिछले हफ्ते उसके घर में सभी बीमार हो गये।
केवल 4 दिन ही काम हुआ। तो छोटेलाल के घर में कितने मटके बने?

20 X 4 =

20+20+20+20=

सिम्मू ने छोटेलाल से कितने अधिक मटके बनाये?

कंजूस सेठ

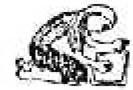

एक था सेठ। एक दिन उसको नारियल की जरूरत पड़ गई। वह नारियल लेने बाजार पहुंचा। उसने दुकानदार से पूछा - "एक नारियल कितने का"?

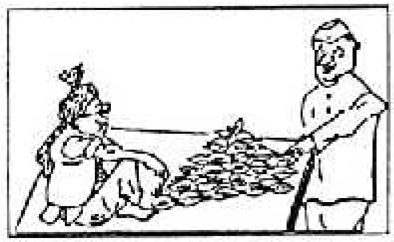

दुकानदार बोला - "एक रुपये का।"

सेठ बोला - "एक रुपये के दो दे दो न"।

दुकानदार बोला - "आगे मिलेंगे"।

सेठ आगे गया। वहां एक रुपया के दो नारियल मिल रहे थे।

सेठ बोला - "एक रुपये के चार दे दो न।"

दूसरा दुकानदार बोला - "आगे मिलेंगे।"

सेठ आगे गया। वहां एक रुपये के चार नारियल मिल रहे थे।

सेठ बोला - "एक रुपये के आठ दे दो न।"

तीसरा दुकानदार बोला - "आगे नारियल का पेड़ है, वहीं से तोड़ लाओ। कुछ भी नहीं देना पड़ेगा।"

सेठ पेड़ के पास पहुंचा। उसने पेड़ पर से पहले कभी नारियल नहीं तोड़े थे। सेठ पेड़ पर चढ़ गया। खूब सारे नारियल तोड़ लिये। पर जब उतरने की सोची तो डर लगने लगा। इतने ऊंचे पेड़ से कैसे उतरूं। बस सेठ पेड़ पर लटके-लटके ही चिल्लाने लगा-

"मुझे बचाओ, मुझे बचाओ। बचाने वाले को दो हज़ार रुपये दूंगा।"

सेठ कब तक लटका रहा होगा, कैसे उतरा होगा वह? कहानी आगे बढ़ाओ,अपने साथियों को सुनाओ।

इन प्रश्नों के उत्तर कॉपी में लिखो।

1. सेठ क्या लेने गया था?
2. तुम्हारे हिसाब से सेठ को नारियल कहां से ले लेना चाहिए थे और क्यों?
3. जल्दी से सोचो और उत्तर लिखो।
   - 1 नारियल 2 रुपये का तो 10 नारियल कितने के होंगे?
   - 1 रुपये के 2 नारियल तो 5 रुपये के कितने नारियल आएंगे?
   - सेठ के पास 10 रुपये थे। यदि वह 1 रुपये के 8 नारियल के हिसाब से नारियल खरीदता तो 10 रुपये में कितने नारियल लाता?

4. (क) बाज़ार पर एक नाटक खेलो।
   (ख) इस कहानी का भी मजेदार नाटक बन सकता है। इसे नाटक बनाकर खेलो।